

प्रेषक,

डी0एस0 गब्याल,
सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा मे,

प्रमुख अभियन्ता,
लोक निर्माण विभाग,
देहरादून।

लोक निर्माण अनुभाग-2

देहरादून: दिनांक: 16 सितम्बर, 2016

विषय:- मा0 मुख्यमंत्री घोषणा सं0 405/2013 के अन्तर्गत जनपद टिहरी गढवाल के विकासखण्ड भिलंगना में उत्तरकाशी-लम्बगांव- घनसाली -तिलवाड़ा (राज्य मार्ग सं0-15) मोटर मार्ग के किमी0 100 पर (हनुमान मन्दिर से घनसाली बैरियर तक) सी0सी0 मोटर मार्ग तथा नाली के निर्माण की पुनरीक्षित स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2014-15 में मा0 मुख्यमंत्री घोषणा सं0 405/2013 के अन्तर्गत जनपद टिहरी गढवाल के विकासखण्ड भिलंगना में उत्तरकाशी-लम्बगांव-घनसाली-तिलवाड़ा (राज्य मार्ग सं0-15) मोटर मार्ग के किमी0 100 पर (हनुमान मन्दिर से घनसाली बैरियर तक) सी0सी0 मोटर मार्ग तथा नाली के निर्माण के निर्माण कार्य की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति शासनादेश सं0:-6109/ 111(2)/14-33(प्रा0आ0)/2014 दिनांक 19.12.2014 (क्रमांक-25) के द्वारा लम्बाई 0.750 किमी0 तथा लागत ₹ 141.74 लाख की प्रदान की गई है।

2- उक्त कार्य के अन्तर्गत मार्ग के दोनों ओर दुकानदारों द्वारा किये गये अतिक्रमण को हटाये जाने हेतु प्रशासन द्वारा की गयी कार्यवाही के फलस्वरूप मार्ग की चौड़ाई 6.00 मी0 के स्थान पर 8.00 से 9.00 मी0 हो जाने, पूरी चौड़ाई में सी0सी0 मार्ग का कार्य कराये जाने तथा पक्की नाली का निर्माण भी पूरी लम्बाई में कराये जाने के कारण, कार्य की लागत में वृद्धि होने के दृष्टिगत पूर्व स्वीकृत लागत ₹ 141.74 लाख में सम्पूर्ण लम्बाई में कार्य पूर्ण न हो पाने के फलस्वरूप मुख्य अभियन्ता, लो0नि0वि0, टिहरी गढवाल द्वारा विभागीय तकनीकी परीक्षणोपरान्त वर्तमान में शासन को उपलब्ध कराये गये पुनरीक्षित विस्तृत आगणन, जिसकी औचित्यपूर्ण पाई गई सम्पूर्ण लागत ₹ 184.41 लाख (₹ 42.67 लाख पुनरीक्षित लागत + ₹ 141.74 लाख पूर्व स्वीकृत लागत) है, की प्रशासकीय एवं वित्तीय तथा व्यय की पुनरीक्षित स्वीकृति माननीय श्री राज्यपाल निम्नलिखित शर्तों के अधीन सहर्ष प्रदान करते हैं:-

(i)- उक्त पुनरीक्षित स्वीकृति इस शर्त के साथ प्रदान की जा रही है कि शासनादेश सं0:-6109/ 111(2)/14-33(प्रा0आ0)/2014 दिनांक 19.12.2014 द्वारा स्वीकृत लागत ₹ 141.74 लाख को, प्रस्तुत पुनरीक्षित आगणन पर विभागीय टी0ए0सी0 द्वारा परीक्षणोपरान्त औचित्यपूर्ण पाई गई धनराशि ₹ 184.41 लाख से घटाते हुए, अतिरिक्त लागत ₹ 42.67 लाख में अवशेष कार्यों को पूर्ण करा लिया जायेगा। पूर्व स्वीकृत लागत के सापेक्ष यदि कोई धनराशि, आवंटन के पूर्व व्यय कर दी गई हो अथवा अवशेष हो तो उस धनराशि को स्वीकृत लागत से समायोजित करके अवशेष धनराशि ही चालू कार्यों पर अवमुक्त की जायेगी। इसके अतिरिक्त अब उक्त कार्य हेतु अतिरिक्त धनराशि किसी भी दशा में स्वीकृत नहीं की जायेगी। शासनादेश दिनांक 19.12.2014 केवल उक्त अनुमन्य सीमा तक ही संशोधित समझा जाय।

(ii)- पुनरीक्षित विस्तृत आगणन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को जो दरें शैड्यूल आफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं, अथवा बाजार भाव से ली गई हो, की स्वीकृति हेतु नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता का अनुमोदन आवश्यक होगा।

(ii)- कार्य प्रारम्भ करने से पूर्व विस्तृत आगणन/मानचित्र पर सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त की जानी आवश्यक होगी।

(iv)– कार्य करने से पूर्व समस्त औपचारिकतायें तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए एवं विभाग द्वारा प्रचलित दरों/विशिष्टियों को ध्यान में रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित करना सुनिश्चित करें।

(v)– ठेकेदार द्वारा समय से कार्य पूरा न करने की दशा में debitable आधार पर अन्य एजेन्सी का अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 के अन्तर्गत नियमानुसार चयन कर निर्माण कार्य पूरा किया जायेगा। स्वीकृत निर्माण कार्य को किसी भी दशा में, शासन की पूर्वानुमति के बिना, अपूर्ण अवस्था में समाप्त नहीं किया जायेगा।

(vi)– निर्माण सामग्री को प्रयोग में लाने से पूर्व किसी प्रयोगशाला से टैस्टिंग करा ली जाय, तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को प्रयोग में लाया जाय।

(vii)– स्वीकृत विस्तृत आगणन के प्राविधानों एवं तकनीकी स्वीकृति के आगणन के प्राविधानों में परिवर्तन (केवल अपरिहार्य स्थिति की दशा में ही) करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की सहमति अनिवार्य रूप से प्राप्त कर ली जायेगी।

(viii)– पुनरीक्षित विस्तृत आगणन में प्राविधानित डिजाइन/मात्राओं एवं कार्य की गुणवत्ता एवं समयबद्धता का सम्पूर्ण दायित्व संबंधित अधिशासी अभियन्ता का होगा।

3– उक्त योजना पर होने वाला व्यय लोक निर्माण विभाग के अनुदान सं०:-22 लेखापीर्शक-5054 सड़कों तथा सेतुओं पर पूंजीगत परिव्यय-04 जिला तथा अन्य सड़कें-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-03 राज्य सेक्टर-01 चालू निर्माण कार्य-24 वृहत निर्माण कार्य की मद से निवर्तन पर रखी गई धनराशि से, आवश्यकतानुसार, अपने स्तर से किया जायेगा।

4– यह आदेश वित्त विभाग द्वारा विभिन्न पत्रावलियों में दिये गये परामर्शानुसार निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय,

(डी०एस० गब्याल)
सचिव

2466

संख्या:- (1)/111(2)/16-33(प्रा०आ०)/2014 तददिनांक ।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार (लेखा प्रथम), ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
2. आयुक्त गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
3. जिलाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
4. क्षेत्रीय मुख्य अभियन्ता लोक निर्माण विभाग, टिहरी गढ़वाल।
5. मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, टिहरी गढ़वाल।
6. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना केन्द्र, उत्तराखण्ड, देहरादून।
7. अधीक्षण अभियन्ता, आठवां वृत्त, लो०नि०वि०, नई टिहरी।
8. अधिशासी अभियन्ता, अ०ख०, लो०नि०वि०, घनसाली।
9. गार्ड बुक।

आज्ञा से

(ए०एस०पांगती)
उप सचिव